Today's Poem – 10.05.2014

बाबा कहते हैं ज्ञान की बुलबुल बन आप समान बनाने की सेवा करो

कितनों को आप समान बनाया है यह जाँच करो

भगवान् प्रामिस करते – बच्चे, मैं तुमको अपने घर ज़रूर ले जाऊँगा

कोई चाहे, न चाहे, ज़बरदस्ती भी हिसाब-किताब चुक्तू कराके ले जाऊँगा

बाबा कहते जब मैं आता हूँ तो तुम सबकी वानप्रस्थ अवस्था होती है

श्रीमत पर चल पावन बनकर मुक्ति जीवन्मुक्ति प्राप्त होती है

इस शरीर को भी भूल पूरा पवित्र बेगर बनना है

बुद्धि में रहें अब घर जाना है

पढ़ाई के हर क़दम में पदम हैं, इसलिए अच्छी तरह रोज़ पढ़ना है

देवता घराने का भाती बनने का पुरुषार्थ करना है

प्रसन्न रहना और प्रसन्न करना

यह है दुआयें देना और दुआयें लेना

मेरा बाबा !!

ॐ शान्ति !!!

http://bkdrluhar.com